विद्यालय की संरचना एवं व्यवस्था के लिये बाधारहित वातावरण तैयार करने के उपाय (Measures to creation of Barriers Free Environment for School Structure and Arrangement) :— बाधारहित वातावरण को तैयार करने के लिये विद्यालय की आधारभूत संरचना विद्यालय की सोच, विद्यालय की व्यवस्था एवं विद्यालय के दर्शन में परिवर्तन करना आवश्यक है। विद्यालयी वातावरण को विकलांगों के लिये तथा अपवंचित बालकों के लिये बाधारहित बनाने के लिये निम्नलिखित उपाय किये जा सकते हैं:—

(1) सर्वप्रथम बाधारहित वातावरण के लिये आवासीय विद्यालयों की स्थापना हो जिसमें विकलांग बालकों के लिये आवास की सुविधा सामान्य बालकों से पहले हो जिससे विकलांग बालकों के सामने घर से विद्यालय तक आने की दूरी कम हो सके।

(2) सर्व शिक्षा अभियान के अनुसार प्रत्येक एक किलोमीटर पर प्राथमिक विद्यालय स्थापित किया गया है। इससे किसी भी छात्र को अपने घर से अधिक दूरी तय करके विद्यालय नहीं जाना पड़ता है।

(3) विकलांग बालकों को घर से विद्यालय तक लाने के लिये विद्यालय द्वारा ऐसे वाहन की व्यवस्था करनी चाहिये जिससे कि सरलता से उस वाहन में बैठकर विद्यालय तक आ सकें,

Scanned with CamScanner

उनको किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

(4) विद्यालय के प्रधानाध्यापकों द्वारा सामुदायिक सहयोग एवं उदारवादी धनी व्यक्तियों से मिलकर विकलांग छात्रों के लिये व्हील चेयर उपलब्ध करानी चाहिये कि विकलांगता का स्वरूप किस प्रकार का है।

(5) प्रधानाध्यापक द्वारा सर्वप्रथम विद्यालय में छात्रों की विकलांगता का अवलोकन करना चाहिये कि विकलांगता का स्वरूप किस प्रकार का है। उसके अनुरूप ही सुविधाओं एवं संसाधनों को एकत्रित करने का प्रयास करना चाहिये।

(6) विद्यालय में प्रधानाध्यापक, शिक्षकों एवं सामान्य छात्रों के द्वारा इस प्रकार का वातावरण तैयार करना चाहिये जिससे कि विकलांग छात्रों को यह अनुभव हो कि वे अपनी सहयोगियों एवं आत्मीय जनों के बीच में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

(7) विद्यालय भवन में छात्रों की विकलांगता को ध्यान में रखकर फर्नीचर की सुविधा होनी चाहिये जिससे उन फर्नीचर पर वे व्यक्ति सरलता से चढ़ सकें तथा उतर सकें। एवं लिखने-पढ़ने का भी कार्य सम्पन्न करें।

(8) विद्यालय में दरवाजे तथा कक्षा-कक्ष तक पहुँचने की सुविधा में रैम्प का प्रयोग होना अनिवार्य है जिससे व्हील चेयर वाले छात्र सरलता से विद्यालय में प्रवेश कर सकें तथा कक्षा-कक्ष तक सरलता से पहुँच सकें।

Sorrow's best antidote is employment. ❖

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS NOTES

06

(9) विद्यालय भवन में रैलिंग की व्यवस्था भी होनी चाहिये जिससे अस्थि विकलांग छात्र उसका सहारा लेकर धीरे-धीरे दूसरी मंजिल पर बने कक्षों में पहुँच सके या धरातल से कुछ ऊँचाई के कक्षों में प्रवेश कर सकें।

(10) विद्यालय भवन की संरचना इस प्रकार की होनी चाहिये कि उसमें ऊँची-नीची व्यवस्था न हो। सभी कक्ष, शौचालय, प्रयोगशाला एवं अन्य कक्ष धरातल के समक्ष हों जिससे विकलांग छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रवेश द्वार पर रैम्प द्वारा ऊँचाई तय करने में छात्रों को कोई कठिनाई नहीं होती।

(11) विद्यालय में शौचालय पश्चिमी कमोड वाले होने चाहिये जिससे विकलांग छात्रों को उन पर बैठने तथा खड़े होने में कोई कठिनाई न हो। इनका प्रयोग विकलांग छात्र सरलता से कर सकते हैं।

(12) विद्यालयी व्यवस्था में खेलों की व्यवस्था एवं उनसे संबंधित सामग्री की व्यवस्था भी इस प्रकार की हो जिसमें विकलांग छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित हो सके, जैसे - कैरम, टेबल, टेनिस, लूडो एवं शतरंज आदि।

(13) विद्यालय में पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं का संगठन एवं संचालन भी इसी प्रकार का होना चाहिये जिससे विकलांग छात्र-छात्राओं को इसमें भाग

❖ Noble deeds that are concealed are most esteemed.

May Sa 1 Su 2 Mo 3 Tu 4 We 5 Th 6 Fr 7 Sa 8 Su 9 Mo 10 Tu 11 We 12 Th 13 Fr 14 Sa 15 Su 16 Mo 17 Tu 18 We 19 Th 20 Fr 21 Sa 22 Su 23 Mo 24 Tu 25 We 26 Th 27 Fr 28 Sa 29 Su 30 Mo 31

Scanned with CamScanner

लेने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो जैसे - निबंध लेखन प्रतियोगिता, संगीत प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता आदि।

(14) विद्यालय भवन में विकलांग छात्रों के लिये आराम कक्ष भी होना चाहिये क्योंकि अनेक विकलांग छात्र - अधिक समय तक नहीं बैठ सकते। इसलिए आराम करने के बाद उनमें पुनः कार्य करने की क्षमता या अधिगम करने की क्षमता उत्पन्न होगी।

(15) विद्यालय में चिकित्सकीय सुविधाओं का प्रावधान भी होना चाहिये जिससे विकलांग छात्रों को यदि थोड़ी भी असुविधा होती है तो उनकी असुविधा को दूर किया जा सके जैसे - अचानक किसी विकलांग छात्र की आँख में दर्द प्रारम्भ होता है तो आई ड्रॉप डालकर उसे राहत प्रदान की जा सकती है।

(16) विद्यालय में विकलांग छात्रों के लिए संसाधन कक्ष भी होना चाहिये जिससे संसाधनी शिक्षक द्वारा उनकी शैक्षिक एवं अशैक्षिक समस्याओं का समाधान सवर्ग कक्ष में व्यक्तिगत रूप से सरलता के साथ किया जा सके।

(17) विद्यालय भवन के दरवाजे सामान्य से बड़े आकार के होने चाहिये जिससे व्हील चेयर वाले छात्र तथा दूसरा छात्र दरवाजे से बाहर निकल सके।

Scanned with CamScanner

(18) विद्यालय कक्षा-कक्षों का आकार सामान्य से बड़ा होना चाहिये जिससे विकलांग छात्रों को असुविधा का सामना न करना पड़े तथा उनको उचित क्षेत्रफल मिल सके, जैसे- एक कक्षा में 10 व्हील चेयर वाले छात्र हैं तो उस कक्षा का आकार स्वाभाविक रूप से बड़ा होना चाहिये।

(19) विद्यालय कक्षा-कक्ष में प्रकाश की व्यवस्था अधिक होनी चाहिये जिससे दृष्टि दोषों से सम्बन्धित छात्रों को श्यामपट्ट कार्य एवं अन्य सामग्री के पठन में बाधा उत्पन्न न हो। इसके लिये पाठ्य-पुस्तकों के प्रिन्ट का आकार बड़ा किया जा सकता है।

(20) विद्यालय के प्रधानाध्यापक को स्वयंसेवी संस्थाओं एवं प्रतिष्ठित, धनी एवं उदार व्यक्तियों से सम्पर्क में बने रहना चाहिये तथा उनसे आवश्यक सहायता प्राप्त करके विद्यालय के वातावरण को विकलांगों के लिये बाधारहित बनाना चाहिये।

उपरोक्त उपायों से विद्यालय व्यवस्था की संरचना, संगठन एवं प्रबंध का स्वरूप इस प्रकार का होगा कि विद्यालय एवं विद्यालय से घर तक का वातावरण विकलांगों के लिये बाधा रहित होगा तथा वे विद्यालय में उचित रूप से शिक्षा ग्रहण करने के लिये जा सकेंगे।

Scanned with CamScanner